कोई कवे से भुत नाथ कोई क्वे लंगोटे वाला से

कोई कवे से भुत नाथ कोई क्वे लंगोटे वाला से,
उस बाबा का भजन करू सु लेके कंठी माला से,

शिव ने ोोहडू शिव ने पेहनु शिव भगति संसार मेरा,
मन मंदिर में शिव का शिवाला काशी और हरिद्वार मेरा,
आठो पेहर रहु शिव धुन में लग्न पाड़ की चाला रे ,
उस बाबा का भजन करू सु लेके कंठी माला से,

तीनो लोक वसा के शिव ने जीव बसाये सारे में,
सिरजन कर के भरा उजाला सूरज चंदा तारो ने,
देवो में महादेव कहावे महिमा कहु किडला रे,
उस बाबा का भजन करू सु लेके कंठी माला से,

मेरा बाबा भोला भाला कासी के मा वास करे
भांग धतूरा घोट के पीवे भूता गेला वास करे,
कहे बलजीत रयाल गाल की करे घड़ी में टाला रे,
उस बाबा का भजन करू सु लेके कंठी माला से,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/14460/title/koi-kawe-se-bhut-naath-koi-ke-langoti-vala-se

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |